कक्षा - आठवीं

विषय - हिंदी

पाठ – 3 खुशबू आज भी याद है

1. शब्दार्थ
2. मौखिक प्रश्न

क. शहर जाने वालों की विदाई मोटर मार्ग तक कैसी होती थी?

उत्तर- जब गांव से कोई शहर जाता, तो बूढ़े-बच्चे और जवान मुंह-अंधेरे उसे विदा करने जाते। गांव में बनी चीजों की छोटी-छोटी पोटलियां बनाई जाती थी। इन्हें सर पर उठाकर बच्चे मोटर मार्ग तक छोड़ने जाते।

ख. मास्साब से ताजवीर का पहले मिलना लेखक को क्यों पसंद नहीं आया?

उत्तर - मास्साब से ताजवीर का पहले मिलना लेखक को इसलिए पसंद नहीं आया क्योंकि वे स्वयं पहले मिलना चाहते थे।

ग. लेखक किस जिज्ञासा से मास्साब के घर गए थे?

उत्तर- मास्साब शहर से आए थे, वे शहर के बारे में नई-नई जानकारियां देते थे इसलिए लेखक मास्साब के घर गए थे।

घ. गांव में लैंप कैसा होता था?

उत्तर- गांव में लैंप डिबरी और कांच की शीशी में कैरोसीन डालकर बनाए जाते थे।

3. लिखित प्रश्न-

क. लेखक ने गुरुजी के बारे में क्या बताया?

<u>उत्तर</u>- लेखक ने गुरुजी के बारे में बताया कि छोटा हो या बड़ा, गांव का हर आदमी उन्हें 'गुरुजी' ही कहता था। गुरु जी के बाल एक सफेद हो चुके थे। वे मोटा चश्मा पहनते थे। खादी का कुरता और चौड़ी मोहरी वाला लंबा खद्दर का पायजामा पहनते थे। वे फल लगाते थे। जंगल जाकर लकड़ियां काटते थे। जड़ी बूटियों का उन्हें अच्छा ज्ञान था। गांव की दुख तकलीफों में खड़े होते थे। उनके सैकड़ों विद्यार्थी, थे जिन्हें अक्षर ज्ञान देने वाले वे पहले अध्यापक थे।

ख. नए मास्साब ने बच्चों को क्या-क्या जानकारियां दी?

उत्तर- नए मास्साब ने बच्चों को अखबार के बारे में, बच्चों की पत्रिकाओं के बारे में, सिनेमा के बारे में, रेल के बारे में बताया, कैमरा और दूरबीन दिखाई, हाथ-रिक्शा और साइकिल-रिक्शा के बारे में बताया।

ख. _मास्साब पढ़ाते-पढ़ाते क्या-क्या करने लगते थे?

उत्तर- मास्साब पढ़ाते-पढ़ाते किस्से-कहानियां सुनाने लग जाते थे। हर चीज का चित्र ब्लैक बोर्ड पर बनाते थे। उनके बनाए चित्र जीवंत तो नहीं होते थे, लेकिन लेखक को उस अनदेखी वस्तु की छवि बनाने में बेहद मददगार होते थे।

ग. लेखक का मास्साब के साथ भात खाने का अनुभव अपने शब्दों में लिखिए?

उत्तर- इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं अपने शब्दों में लिखेंगे।

ड. ताजवीर और लेखक ने मास्साब के घर जाने पर क्या समझौता किया था?

उत्तर- ताजवीर और लेखक ने मास्साब के घर जाने पर यह समझौता किया था कि मास्साब के खाना खा लेने के बाद जो भात बचेगा उसे एक दिन लेखक खाएंगे और एक दिन राजवीर खाएंगा।

4.निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहें-

क. गुरु जी ने बच्चों से कहा।
ख. मास्टर जी ने लेखक से कहा।
ग. ताजवीर ने लेखक से कहा।

5.निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

क. दोस्त – मित्र सखा मीत

ख. अँधेरा – तम तिमिर

ग. होशियार – चतुर कुशल दक्ष

घ. खुशबू – सुगंध सुरभि महक सौरभ

ङ. गर्व – अभिमान गुरूर अहंकार

च. घर – गृह सदन आलय

2. **क्रिया शब्दों से संज्ञा शब्द भी बनाए जाते हैं; जैसे– पढ़ना-पढ़ाई, चढ़ना-चढ़ाई इत्यादि।**

इन क्रिया शब्दों से संज्ञा शब्द बनाकर लिखिए।

क. पहनना पहनाई

ख. सूझना सुझाई

ग. काटना कटाई

घ. लगना लगाई

ङ. चलना चलाई

च. मुसकाना मुसकराई

3. **निम्नलिखित वाक्यों में 'कि' अथवा 'की' से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

क. हमें लगा कि गुरु जी यूँ ही मज़ाक कर रहे हैं।

ख. एक दिन अचानक मैंने सुना कि नए मास्टर जी आ गए हैं।

ग. मास्साब की बाईं कलाई पर सोने की घड़ी है।

घ. मास्साब ने बताया कि यह स्टील है।

ङ. उन्होंने बच्चों की पत्रिकाओं के बारे में बताया।

च. खाना खाते और मास्साब के घर की ओर चल पड़ते थे।

4. **वाक्य में कुछ अव्यय पद किसी शब्द विशेष पर बल देने के लिए प्रयुक्त होते हैं, उन्हें निपात क हैं; जैसे–ही, भी, तो, तक, मात्र आदि।**

मैं जैसा करता, वह **भी** वैसा **ही** करता। मैं घर में पढ़ने लगता, **तो** वह **भी** पढ़ने बैठ जाता।

रिक्त स्थानों की पूर्ति निपात से कीजिए।

क. मैं घूमने निकलता, तो वह भी पीछे-पीछे आ जाता।

ख. पोटलियों को मोटर मार्ग तक छोड़ने का काम हम बच्चों का ही होता है।

ग. हमें बस देखने का मौका कभी-कभी ही मिलता था।

घ. मेरे गुरु जी हमारे ही गाँव के थे।

ङ. दूर-दूर तक वे अकेले पढ़े-लिखे और संवेदनशील इनसान माने जाते थे।

च. इतना लंबा नाम भी किसी का हो सकता है!

छ. लेकिन मेरा ध्यान तो भात पर ही था।

5. **क्रिया सकर्मक और अकर्मक होती है। जिन क्रियाओं में कर्म नहीं होता, वे अकर्मक होती हैं; जै**

जिन क्रियाओं में कर्म होता है, वे सकर्मक होती हैं; जैसे–

- वे क्यारी बनाते।
  क्या बनाते?

उत्तर– 'क्यारी'– अर्थात सकर्मक क्रिया।

- दिए गए वाक्यों में क्रिया पद को रेखांकित कर क्रिया का भेद भी लिखिए।

क.	मास्साब प्याज और मूली काट रहे थे।	सकर्मक
ख.	मास्साब की रसोई में भात पक रहा था।	सकर्मक
ग.	हम एक-दूसरे से अपनी बातें साझा करते थे।	अकर्मक
घ.	मैं मकान के मुख्य द्वार पर खड़ा था।	सकर्मक
ङ.	वह दिन आएगा, जब चाँद पर भी शहर बनेंगे।	सकर्मक
च.	मास्साब ने दोनों थालियों में दाल-भात परोसा।	

रचनात्मक अभिव्यक्ति Creative Expression

बात मन की

1. 'मैं अपने अध्यापक से बहुत प्रभावित हूँ'– इस बारे में अपना कोई घटित या कल्पित संस्मरण लिखिए।
2. 'मेरे प्रिय अध्यापक' विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।
3. 'शिक्षक दिवस' के आयोजन के विषय में कक्षा में चर्चा कीजिए।

हँसते-गाते

- इस पाठ में लेखक ने अंग्रेज़ी के शब्दों का भी प्रयोग किया है। क्या आप अंग्रेज़ी के इन शब्दों के अ
  जानते हैं? यदि जानते हैं तो इनके अर्थ लिखकर ऐसे ही हिंदी में प्रचलित कुछ अन्य अंग्रेजी के शब्
  की सूची बनाइए।

क.	रिटायर	ख.	पैंट .....
ग.	मास्टर	घ.	सूटकेस .....
ङ.	लाइटर	च.	साइकिल .....
छ.	मशीन	ज.	स्कूल .....

4

बालकनी

पाठ-प्रवेश

सहृदय लेखक ने पशु-पक्षियों
देखने पर पता चलता है कि प
चाहते हैं। उसके लिए सब ए

अभी कुछ महि
इसकी एक
देखा करता था। पेड़ों क
करवटें लेने वाली ज़िंदगी
पर चिड़ियों के घोंसले थे

कभी-कभी बंदरों
एक तरफ़ शोर मच ज
क्यों घूम रहे हैं? क्या

बि
तेज़ और चमकी